Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
PGDVD-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester: First

दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

दर्शन, प्रबोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. क्लेश कितने प्रकार के हैं? प्रत्येक को विस्तार से समझाइये।
2. विभूतिपाद से कोई पाँच (5) सिद्धियाँ सूत्र सहित व्याख्या करें।
3. दुःख कितने प्रकार के हैं? क्या दृष्ट उपायों से उन दुःखों की अत्यन्त निवृत्ति संभव है? विस्तार से समझाइये।
4. न्यायदर्शन के अनुसार प्रमेय क्या हैं? तथा कितने हैं? इन सभी का विस्तृत वर्णन कीजिये।
5. वैशेषिक दर्शन का मुख्य प्रतिपाद्य विषय क्या है? द्रव्य गुण और कर्म कितने-कितने हैं? विस्तृत वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. योगदर्शनानुसार अभ्यास और वैराग्य किसे कहते हैं? समझाइये।
7. क्रियायोग क्या है? क्रियायोग का पालन करने से क्या फल प्राप्त होता है?
8. सांख्य दर्शनानुसार सत्कार्यवाद का प्रतिपादन करें।
9. न्यायदर्शन में तत्वज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया को समझाइये।
10. वेदान्तदर्शनानुसार "ब्रह्म ही जगत् का रचयिता है।" सिद्ध कीजिये।
11. सभी करणों में बुद्धि प्रधान क्यों है? स्पष्ट कीजिये।
12. मीमांसा दर्शनानुसार "धर्म" का लक्षण क्या है?

----------X----------